

दिष्टकरण पुं. (तत्.) भौ. प्रत्यावर्ती धारा (ए सी) को दिष्ट धारा (डी सी) में बदलने की प्रक्रिया।

दिष्टकारी वि. (तत्.) भौ. दिष्टकरण की युक्ति rectifier

दिष्टधारा स्त्री. (तत्.) भौ. वह विद्युत धारा जो एक ही दिशा में बहती हो और जिसका मान अपरिवर्ती रहता हो, डी.सी. तुल. प्रत्यावर्ती धारा।

दिष्णु वि. (तत्.) देने वाला, दाता, जिसका स्वभाव देना हो।

दिसंबर पुं. (अं.) रोमन कैलेंडर के अनुसार वर्ष का बारहवाँ या अंतिम महीना, पहले यह दसवाँ महीना होता था इसीलिए इसमें डेसी (दसवाँ) प्रत्यय है।

दिहाड़ी स्त्री. (देश.) 1. दिन 2. एक दिन के कार्य का पूरा समय 3. एक दिन की मजदूरी 4. एक दिन में किया जाने वाला कार्य।

दीक्षक पुं. (तत्.) दीक्षा देने वाला, गुरु, शिक्षक; गुरुमंत्र देने वाला, उपदेशक, धर्मोपदेशक।

दीक्षण पुं. (तत्.) शिक्षण, उपदेश देना; गुरुमंत्र देना दे. दीक्षा।

दीक्षांत पुं. (तत्.) 1. दीक्षा या शिक्षा की समाप्ति 2. दीक्षा या शिक्षा की समाप्ति पर किया जाने वाला अनुष्ठान।

दीक्षा स्त्री. (तत्.) 1. शिष्य के सम्यक् ज्ञान को जगाने के लिए और उसके मन, चित्त, बुद्धि पर पड़े मल (दोषों) को हटाने के लिए गुरु द्वारा शिष्य का संस्कार 2. मंत्रोपदेश, गुरुमंत्र 3. शिक्षा, उपदेश।

दीक्षित पुं. (तत्.) 1. दीक्षा प्राप्त व्यक्ति; गुरुमंत्र-प्राप्त व्यक्ति 2. शिक्षित व्यक्ति 3. ज्योतिष्टोम आदि वृहद् यज्ञों का करने वाला ब्राह्मण (वर्ण)।

दीखना स.क्रि. (तद्.) 1. दिखाई देना 2. आभास होना, प्रतीत होना।

दीगर वि. (फा.) 1. अन्य, दूसरा, और 2. पुनः, दुबारा फिर।

दीठ स्त्री. (तद्.) दे. दृष्टि मुहा. दीठ उतारना या झाड़ना- मंत्रादि से किसी (बच्चे) पर पड़ी बुरी नजर का असर नष्ट करना।

दीद स्त्री. (फा.) दर्शन, दीदार वि. (फा.) देखा हुआ, जैसे चश्मदीद आंखों से देखा हुआ।

दीदा पुं. (फा.) 1. आँख 2. साहस, जुरत मुहा. दीदे मटकाना- आंखें मटकाना; दीदे निकालना- क्रोध में आंखें तरेडकर देखना।

दीदार पुं. (फा.) 1. दर्शन, अवलोकन 2. छवि, जलवा 3. साक्षात्कार।

दीदारबाजी स्त्री. (फा.) प्रिय से आँखें मिलाना या लड़ाना।

दीदी स्त्री. (देश.) बड़ी बहन (दादा अर्थात् भाई का स्त्रीलिंग)।

दीधिति स्त्री. (तत्.) 1. दीधी अर्थात् प्रकाश या प्रसार कारक 2. किरण 2. अंगुली।

दीन वि. (तत्.) 1. निर्धन, गरीब, अकिंचन, कंगाल 2. व्याकुल, दुखी, दर्दशा-ग्रस्त 3. नम्र, विनीत, उदास पुं. (अ.) मत, मजहब, पंथ।

दीन इलाही पुं. (अर.) अल्लाह का पंथ या समन्वयवादी ईश्वरीय धर्म या ईश्वरीय पंथ जिसे अकबर ने सभी मजहबों के अनुयायियों की धार्मिक सहिष्णुता या धार्मिक समरसता बढ़ाने के लिए चलाया था।

दीनता स्त्री. (तत्.) 1. निर्धनता, दरिद्रता 2. बेचारगी, दीनहीन स्थिति 3. नम्रता।

दीन-दुनिया स्त्री. (अर.) धर्म-पालन और दुनियादारी, स्वार्थ-परमार्थ; लोक-परलोक।

दीनबंधु वि. (तत्.) निर्धनों और असहायों का साथी पुं. परमात्मा।